प्लेटो के अनुसार :→ "विचार आत्मा की मूक या ध्वन्यात्मक बातचीत है, पर वही जब ध्वन्यात्मक होकर होठों पर प्रकट होती है तो उसे भाषा की संज्ञा देते हैं,,

कुप्पूस्वामी के अनुसार :→ "सम्प्रेषण के एक परम्परागत प्रतीकों के माध्यम के रूप में भाषा को परिभाषित किया जा सकता है,,

* भाषा की विशेषताएं तथा प्रकृति *

⇒ भाषा मानव की कलाकृति है, जिसके प्रमुख कौशल बोलना, लिखना, पढ़ना एवं सुनना है।

⇒ भाषा के प्रमुख तत्व ध्वनियाँ चिन्ह तथा व्याकरण होते हैं।

⇒ भाषा से आशय विचारों, भावों और संवेगों की अभिव्यक्ति प्रमुख रूप में श्रोत, ग्राह्य ध्वनि चिन्हों और संकेतों से करता है।

⇒ भाषा के माध्यम से मानव अपने ज्ञान को संचित करता है, प्रसार करता है एवं अभिवृद्धि भी करता है।

⇒ भाषा एक साधन है, या माध्यम है, जिसके द्वारा मानव समाज और संस्कृति के विचारों और कार्यों का सम्प्रेषण किया जाता है।

⇒ भाषा मौखिक और लिखित प्रतीकों, शब्दों, संकेतों व चिन्हों की व्यवस्था है।

⇒ भाषा मानव मण्डल का ध्वनिमय स्वरूप है, जिससे भावों, विचारों और संवेगों की अभिव्यक्ति की जाती है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

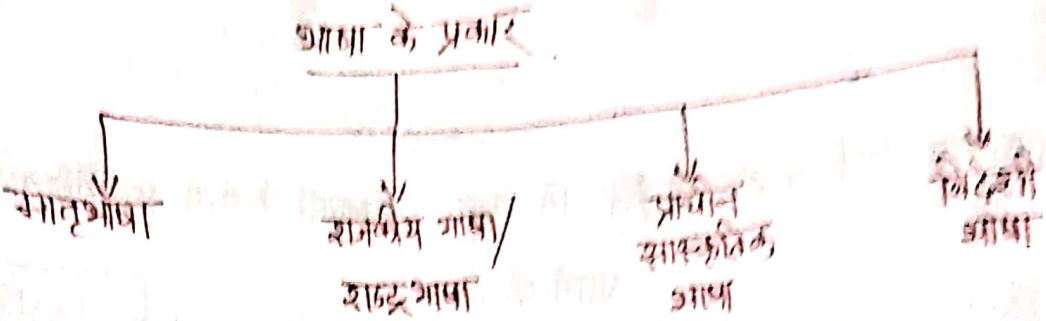

भाषा के प्रकार

- मातृभाषा
- राजकीय भाषा/राष्ट्रभाषा
- प्राचीन सांस्कृतिक भाषा
- विदेशी भाषा

1 मातृभाषा

⇒ मातृभाषा का शाब्दिक अर्थ है, माता से प्राप्त की गई भाषा।

⇒ मातृभाषा को पालने की भाषा भी कहते है।

⇒ सर्वप्रथम बालक अपनी माता के सम्पर्क मे आता है, और माता से भी वह भाषा सीखता है तथा अपने परिवार का अनुकरण करके भाषा सीखता है।

2 राजकीय भाषा /राष्ट्रभाषा

⇒ सभी राज्यो के अपनी-2 भाषा मे कार्य करने या बोलने की भाषा को राजभाषा कहते है।

⇒ Note -1 कही-2 राजभाषा को ही राष्ट्रभाषा कहा गया है। जबकि अभी तक हमारे देश की कोई राष्ट्रभाषा नही है।

⇒ Note-2- हिन्दी हमारे देश की राजभाषा है, जो 14 सितम्बर 1949 को घोषित हुई थी। इसलिए 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है।

⇒ Note -3 - अनुच्छेद 343:- संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी।

⇒ Note-4- अनुच्छेद 351:- हिन्दी के विकास के लिए निर्देश।

⇒ Note-5 - अनुच्छेद 120 :- संसद मे प्रयोग की जाने वाली भाषा।

⇒ Note-6 - अनुच्छेद 210 :- राज्य विधानमण्डल मे प्रयोग की जाने वाली भाषा

P.T.O.

Scanned with CamScanner

→ प्रमाण 6 " संविधान की 8वीं अनुसूची में 22 भाषाओं का उल्लेख किया गया है। "

3 प्राचीन सांस्कृतिक भाषा

→ संस्कृत → पालि → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ट → प्राचीन/प्रारम्भिक हिन्दी

→ संस्कृत प्राचीन भारतीय साहित्य की भाषा है।

4 विदेशी भाषा

→ विदेशी भाषाओं में कुछ का महत्व कुछ कारणों से अधिक है। अंग्रेजी, फ्रेंच, स्पेनिश, रूसी, तथा चीनी भाषाएँ बड़ी ही समृद्ध भाषाएँ हैं।

* अन्य वर्गीकरण के अनुसार *

भाषा के प्रकार

- मौखिक भाषा / वाचिक भाषा
- लिखित भाषा / आलेखीय भाषा
- सांकेतिक भाषा

by

B.R.C. Deobamal SRE

Assis. Pro. → Parveen Rafi

Subject :- Knowledge, Language and Curriculum

Topic – भाषा (Language)

भाषा शब्द संस्कृत की 'भाष्' धातु से बना है, जिसका अर्थ व्यक्त करना या प्रकट की गई वाणी है। भाषा को अंग्रेजी मे लैंग्वेज (Language) शब्द के रूप मे प्रयोग किया जाता है। जिसका सम्बन्ध लैटिन के शब्द लिंग्वा (Lingua -चिन्ह) से है।

" भाषा – एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति या अन्य व्यक्तियो तक अपने विचारो का कुशल और सभ्य तरीके से किया गया आदान-प्रदान भाषा कहलाती है। "

⇒ भाषा सम्प्रेषण का एक माध्यम है।

⇒ भाषा हमारे जीवन मे अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

⇒ जो वाणी मे व्यक्त हो जाए वही भाषा है।

हैनरी स्वीट के अनुसार :→ " जिन व्यक्त ध्वनियो तथा विचारो की अभिव्यक्ति होती है, उन्हे भाषा कहते है। "

Dr. P. Raj according ~~this~~ → " मनुष्य द्वारा उत्पन्न अपनी भावना को विचारो के माध्यम से कुशलतापूर्वक ~~मनुष्य~~ दूसरो के सामने प्रकट करने को भाषा कहते है। "

P.T.O.

Scanned with CamScanner